amaan.cooldude18
राज
कॉमिक्स
मूल्य 15.00 संख्या 350
नागराज और
अजगर का
तूफान
मुफ्त
नागराज का एक
पोस्टर
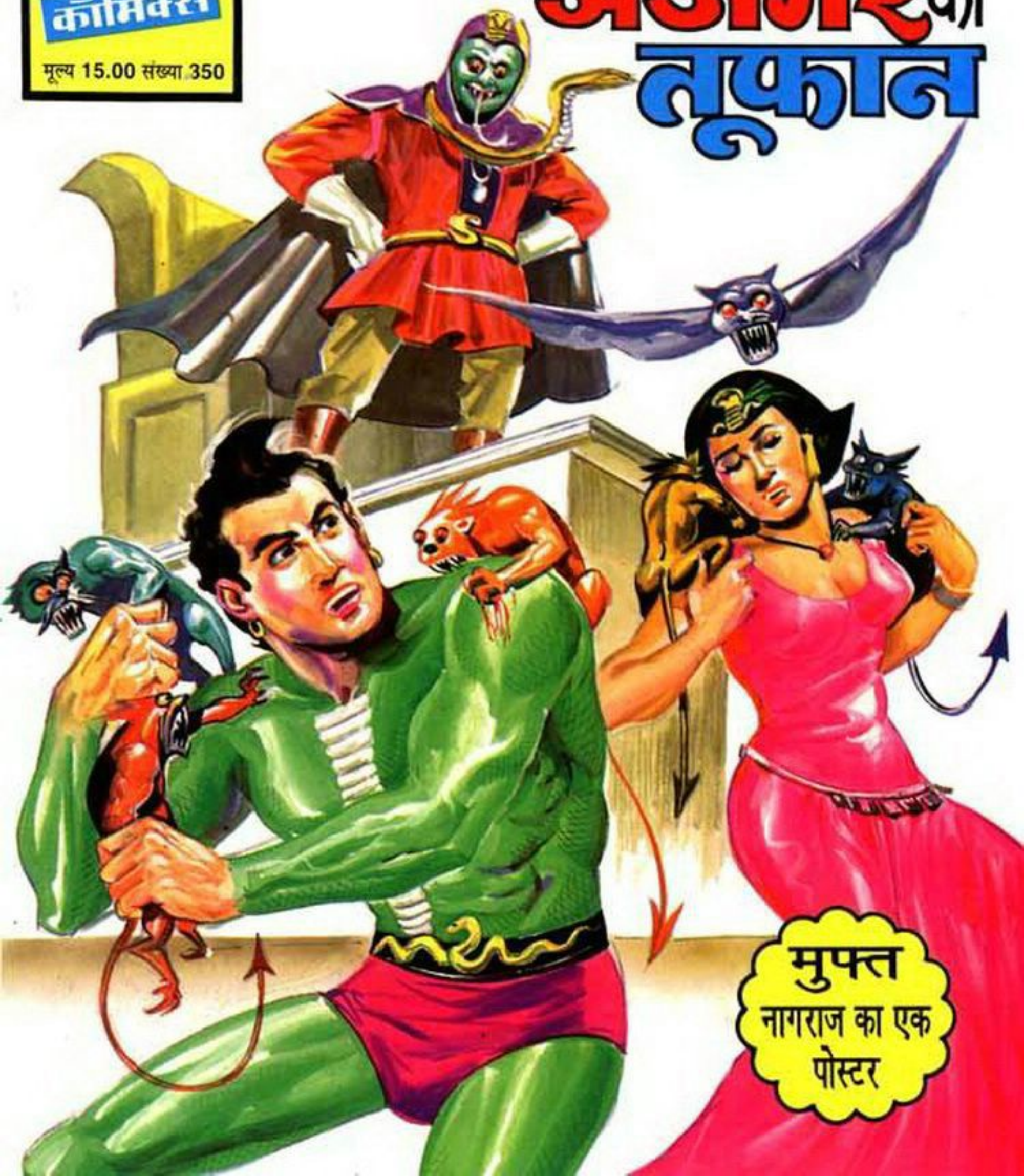
अजगर का तूफान
संपादन: मनीष चन्द्र गुप्त
कथानक: तरुण कुमार वाही
कला निर्देशक: प्रताप मुळीक
चित्र: चंदू सुलेख: भास्कर
स्कॉटलैण्ड ! ग्रेट ब्रिटेन का उत्तरी भाग । शहर में फैली थी आजकल एक खुमगती बीमारी–
अहा! चोक्रेट। अब मैं भी पापा की तरह कश लगा सकूंगा बच्चों के लिए बनी इस 'खास' सिगरेट के।
??
जेम्स। सिगरेट पीना बुरी आदत है बेटे। ये फूंक डालती है फेफड़ों को। इसका एक कश इन्सान की जिन्दगी के पांच मिनट कम कर देता है।
आपको शायद पता नहीं कि चोक्रेट कम्पनी की ये सिगरेट खास हम बच्चों के लिए ही बनी है।
कसम खाओ कि आज के बाद सिगरेट को हाथ तक नहीं लगाओगे।
बाई गॉड। आप कहती हैं तो कभी हाथ नहीं लगाऊंगा मम्मी।
उफ! न जाने शहर में कहां से आ गई है ये चोक्रेट की बीमारी!
जेम्स को तो सिगरेट की आदत का शिकार होने से बचा लिया उसकी मम्मी ने–

लेकिन वे बच्चे जो 'किड' जैसे क्लबों के सदस्य थे और पागलपन की हद तक 'चोक्रेट' का शिकार हो चुके थे।
CHOKORATE IS GREAT.
चोक्रेट का जवाब नहीं।
दम मारो दम
हरे रामा हरे कृष्णा
चोक्रेट के कारण 'किड क्लब' का धंधा चमक उठा है।
ओह! बिलोंकी?
बिलोंकी ने अपना बैग काउंटर पर रखा -
क्यों बे, धंधा कैसा चल रहा है तेरा?
एकदम फर्स्ट क्लास दादा, लेकिन चोक्रेट खत्म हो चुकी है।
इस बैग में आज के लिए पूरा स्टाक मौजूद है।
और अगला स्टाक दादा!
जल्दी ही आयेगा, लेकिन क्लब के मैम्बर्स बढ़ाओ और अपने इन मैम्बर्स के जरिये चोक्रेट को स्कूलों तक पहुंचाओ।
जरूर, जरूर दादा।
चोक्रेट की सप्लाई देकर निकल पड़ा बिलोंकी क्लब से।

" जो खतरनाक जंगली जानवरों को अपना सबसे बड़ा दोस्त मानता है।
दुनिया का नम्बर एक 'अमीर' बनना जिसका एकमात्र उद्देश्य है।
ब्रिटेन में ऊंटों की रेस का अकेला प्रायोजक।
अजगर!
कहो बिलोंकी! कैसी लग रही है चोक्रेट बच्चों को?
अजगर महान को बिलोंकी का नमस्कार।
चोक्रेट रंग ला रही है अजगर महान! मैं अपनी आंखों से देख कर आ रहा हूं। चोक्रेट ने बच्चों को अपना दीवाना बना लिया है।
गिलासों के टूटने की तीव्र आवाज ने अजगर महान का ध्यान भटका दिया।
छन-छन-छनाक...
मौत की फिसलन पर फिसलता चला गया वह बदकिस्मत गार्ड...
क्रोधित हो उठा अजगर। हाथ में थमे रिमोट का एक बटन दबाया उसने—
निकम्मे लोगों के लिए सिर्फ मौत।
BOILING MUD
आह!

और जा पड़ा BOILING MUD नाम की उस भयानक मौत में –
आऽऽह ऽऽऽ

कुछ ही पलों में दहकती रेत के उस भंवर ने उसे अपने अन्दर समेट लिया–

अजगर विराजमान हुआ अपने बेमिसाल सिंहासन पर –
हिस्स ऽऽ हिस्स ऽऽ
देखा गुरैला! चोकेट बच्चों को चॉकलेट की तरह लुभा रही है। ब्रिटेन में तो अब यह बड़े पैमाने पर बिकने लगी है।

गुरैला! कहते हैं उसकी असली सूरत आज तक सिवाए गुरैला के किसी और ने नहीं देखी–
अपने नुकीले खूनी नाखूनों से दुश्मनों की चमड़ी यूं उधेड़ता है जैसे कसाई बकरे की खाल अलग कर रहा हो।

अन्तर्राष्ट्रीय स्मगलर गुरैला अजगर के निमंत्रण पर पहुंचा था वहां–
गुरैला! अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में तुम्हारी पकड़ है और मैं चोकेट को विश्व के कोने-कोने में पहुंचा देना चाहता हूं।...

...तुम्हें मुंहमांगा कमीशन मिलेगा गुरैला, बोलो?
मुझे तुम्हारा ये प्रस्ताव मंजूर है अजगर!

लेकिन अजगर! चोक्रेट में ऐसी क्या विशेषता है जो बच्चे उसके दीवाने होते जा रहे हैं?
चोक्रेट में 'स्वीट-पॉयजन' नाम का एक तरह का नशा है, जो मैं इण्डिया से स्मगल करता हूं। पहला कश लेने के बाद ही बच्चा इस नशीली सिगरेट का गुलाम बन जाता है।
इसका मतलब चोक्रेट के रूप में आप बच्चों की मौत बेच रहे हैं महान अजगर!
हा हा हा। अगर हम मौत नहीं बेचेंगे तो पैसा कहां से आएगा गुरैम्पा?
बिलोंकी! कैमल-रेस के लिए बच्चों की नई खेप कब आ रही है भारत से?
इसी सप्ताहांत में अजगर महान!
गुरैम्पा! व्यापार तो हमारा अब चलता ही रहेगा। मैं तुम्हें अगले सप्ताह होने वाली अति रोमांचक कैमल-रेस देखने का निमंत्रण देता हूं।
मैं अवश्य ये रेस देखूंगा अजगर!

नागराज दिल्ली में, जिसके लिए एक छोटा सा विज्ञापन बन गया था उत्सुकता का कारण–
नवभारत टाइम्स, दिल्ली
नागराज, राहुल को तुम्हारी मदद की आवश्यकता है। आशा है तुम दिल्ली के चिड़ियाघर में अवश्य आओगे।
अरे! यह विज्ञापन?
कौन है यह राहुल? और मुझसे कैसी मदद चाहता होगा ये?
INDIA
नागराज चिड़ियाघर में दाखिल हुआ–
उसे कहां ढूंढूंगा? कैसे पहचानूंगा?
OO
ARK
उसी समय–
पकड़ो उसे।
वह रहा।
उन्हें देखते ही बचने के लिए उस लड़के ने जो रास्ता चुना वह सीधा मौत की ओर ही जा रहा था–
राहुल तुम्हारे हाथ कभी नहीं आयेगा। उसे नागराज से मिलना है।...
...केवल नागराज से... आह!

शिकार की गंध पाकर सुस्ता रहे जंगल के राजा के मुंह से निकलीं खूनी गुर्राहटें –
गर्रर्र
आह!
चलो अच्छा हुआ। अब हमारा काम ये शेर निपटा देगा।
खिसको अब यहां से।
चिड़ियाघर में आए बच्चों व दर्शकों के रोंगटे खड़े हो गए उस भयानक दृश्य की कल्पना करके ही –
चिड़ियाघर के शेर अक्सर भूखे होते हैं। अब ये नहीं बचने का।
नहीं-नहीं! कितना मासूम बच्चा है?
ये भीतर गिरा कैसे?
मां! क्या वह शेर उसे खा जायेगा?
शेर अब राहुल से था केवल एक हाथ की दूरी पर –
उफ! नागराज तुम समय पर न पहुंच सके।
गर्रर्र!
नन्हें राहुल को दबोच लेने के लिए इसी पल झपट पड़ा शेर –
गर्रर्र
लेकिन उस तक पहुंच पाने का सिंहराज का अरमान पूरा न होने दिया नागराज ने –
गर्रर्र
जंगल के राजा को एक मासूम बच्चे पर अपनी शक्ति का प्रदर्शन नहीं करना चाहिए सिंहराज!

प्रसन्नता से खिल उठा राहुल का चेहरा भी-
नागराज!
नागराज सिंहराज के साथ नीचे लुढ़क गया-
अपने पंजे और नुकीले दांत नागराज के शरीर से दूर ही रखना सिंहराज!
नागराज ने सिंहराज को पूरे सम्मान के साथ कंधों पर उठा लिया।
घबराओ नहीं सिंहराज! तुम्हें मारने का मेरा कोई इरादा नहीं है
नागराज चिड़ियाघर के उन कर्मचारियों को देख चुका था जो जाल खोले सिंहराज को दबोचने के लिए तैयार खड़े थे-
अब चलो इस जाल में!
तुम ठीक हो न बेटा?
राहुल? ओह, तो तुम ही हो राहुल।
मेरा नाम राहुल है नागराज।
नागराज नागराज
लेकिन तुम शेर के बाड़े में कैसे चले आए?
वे लोग मुझे मार डालना चाहते थे नागराज! उनसे बचने के लिए मैं शेर के बाड़े पर चढ़ गया और अचानक नीचे गिर पड़ा।

कौन हैं वे लोग?
बच्चों के व्यापारी नागराज।

ये लोग बहला-फुसला कर पहले मेरे जैसे बच्चों को अगवा करते हैं। फिर उन्हें यूरोप भेज देते हैं कैमलरेस के लिए।

बच्चों का अगला ग्रुप लेकर ये लोग आज ही एक विमान द्वारा स्कॉटलैण्ड जा रहे हैं नागराज।
और इसी बीच तुम किसी तरह उनकी पकड़ से छूट निकले। तुम्हारा विज्ञापन पढ़कर ही वे तुम्हें समाप्त करने यहां चले आए होंगे।

ऐसा ही लगता है नागराज! लेकिन अब अगर तुमने देर की तो वे लोग हाथ से निकल जायेंगे।
नहीं राहुल! अब देर नहीं होगी और इतनी जानकारी के लिए तुम्हारा शुक्रिया नन्हे दोस्त!

इंदिरा गांधी अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा दिल्ली-
बच्चों का यही ग्रुप जा रहा है स्कॉटलैण्ड।
लेकिन यह क्या? बच्चों को ये पैकेट कैसे बांटे जा रहे हैं?

ग्रुप के एक बच्चे ने पैकेट खोलने की चेष्टा की-
नहीं बेटे, चॉकलेट्स के इस पैकेट को स्कॉटलैण्ड पहुंचने पर ही खोलना है तुम्हें।
??

बच्चों को चॉकलेट के पैकेट यहीं दे दिए गए हैं, पर उन्हें चॉकलेट खाने से मना क्यों किया जा रहा है?

यह रहस्य गहराता जा रहा है। अगर मैंने बच्चों और इन पैकेट्स को यहीं रोक दिया तो स्कॉटलैण्ड के वे मुजरिम मेरे हाथों से बच निकलेंगे जिन्हें ये बच्चे सप्लाई किये जा रहे हैं।
चलो बच्चो अब हमें विमान पर सवार होना है।

फिर—
नागराज के लिए टिकट का प्रबंध कर पाना कोई ★ मुश्किल काम नहीं है।
★ नागराज के लिए सभी एयरलाइन्स ने एयरोप्लेन की टिकट मुफ्त घोषित की हुई हैं।

विमान आकाश की ऊंचाइयां छू रहा था जबकि भीतर नागराज—
और अब नागानन्द★ लेकर आयेगा उस बच्चे की गोद में पड़ा वह पैकेट।
★ नागराज की सर्प सेना का एक नायक

बड़ी सफाई से नागानन्द यात्रियों के पांवों के बीच से होता हुआ निकला—

किसी को कानोंकान खबर तक न हुई—

नागराज टॉयलेट में पहुंचा-
तो मेरा शक ठीक निकला। इन पैकेट्स में चॉकलेट्स के स्थान पर स्वीट-पॉयजन भेजा जा रहा है।

भयानक खेल खेला जा रहा है इन बच्चों के साथ और मुझे पहुंचना है, ये भयानक खेल, खेल रहे उन खिलाड़ियों तक।

स्कॉटलैंड से एक वैन उन बच्चों को लेकर एयरपोर्ट से विदा हुई
शुक्र है सारा काम ठीक-ठाक निबट गया।
हां,बच्चों से स्वीट-पॉयजन के पैकेट्स लेकर उन्हें असली चॉकलेट्स दे दी गई। अब हम यह स्वीट-पॉयजन महान अजगर तक पहुंचा देंगे।

क्या वाकई सारा काम ठीक-ठाक निबटा था?
ये वैन मुझे लेकर जायेगी मौत का खेल खेलने वाले उन खिलाड़ियों तक।

उधर कैमल-रेस देखने के लिए भारी भीड़ एकत्रित हो चुकी थी 'डेजर्ट-इन-यूरोप' स्टेडियम में-
अरब देशों में खेला जाने वाला ये अतिरोमांचक खेल अब स्कॉटलैण्ड में बने इस विशेष स्टेडियम में भी खेला जायेगा।
ऐसा लग रहा है जैसे हम सचमुच किसी रेगिस्तान में आ गए हैं।

अजगर के साथ इस रेस को देखने के लिए उपस्थित था गुरैला–
गुरैला! कुछ ही देर में आरम्भ होगी कैमल रेस।
अरब की कैमेल-रेस के विषय में तो काफी कुछ सुना था, आज यूरोप की कैमल-रेस देखूंगा।
उधर वैन 'डेजर्ट-इन-यूरोप' स्टेडियम में जाकर रुकी –
DESERT IN EUROPE S
जल्दी करो। बच्चों को ले जाओ। कैमल-रेस आरम्भ होने का समय हो गया है।
नागराज वैन के नीचे से निकला–
EUROPE
कैमल-रेस में बच्चों का क्या इस्तेमाल होगा?
कैमल-रेस के लिए ऊंटों को मैदान में छोड़ दिया गया –
बोंऽऽ
बोंऽऽ
भुर्रर्र
7
3
ऊंटों की रेस आरम्भ हो गई।

दर्शकों का रोमांच के कारण बुरा हाल था-
उफ! इनकी पीठ व गर्दन पर इन बच्चों को क्यों बांधा गया है?
ऊंटों के भागने के दौरान इन बच्चों को जब तकलीफ होती है तो बच्चे जोर-जोर से रोते हैं और इनके रोने की आवाज से ही उत्तेजित होकर ऊंट और तेजी के साथ भागते हैं।
21
3
10

एक-एक ऊंट पर लगा था लाखों पोंड्स का जुआ-
13 नम्बर वाला ऊंट जीतेगा। मैंने उस पर लगाया पचास हजार पोंड्स।
10 नम्बर वाला जीतेगा। एक लाख पोंड्स लगा चुका हूं मैं उस पर।

ऊंटों पर बंधे बच्चे दर्द से चीख उठे थे-
आई
वोंऽऽ
ऊईई

अजगर महान! इस कैमल-रेस से आपको क्या लाभ होता है?
घुड़दौड़ की तरह ऊंटदौड़ पर भी लाखों पोंड्स का जुआ खेलते हैं यहां के लोग। वही मेरा मुनाफा है।

कच्चे दिल के दर्शक अचानक दहल उठे-
उफ। वह बच्चा नीचे गिरने वाला है।
ऊंट के कूबड़ से बंधी उसकी रस्सी खुल गई है।

नीचे गिरते ही अंधाधुन्ध भाग रहे ऊंटों के पांवों के नीचे कुचलकर उस बच्चे की मृत्यु निश्चित थी-

उवां ऽऽ
ईऽऽऽ

बढ़ता हुआ ऊंट का पांव बच्चे के सिर से था केवल कुछ ही इंच दूर-

दर्शकों की सांसें तक रुक गईं-

नहीं, उफ! पागल ऊंट इसे कुचल डालेंगे।

ठीक इसी पल सर-सराई सर्परस्सी-

शूंऽऽ

और-
आह
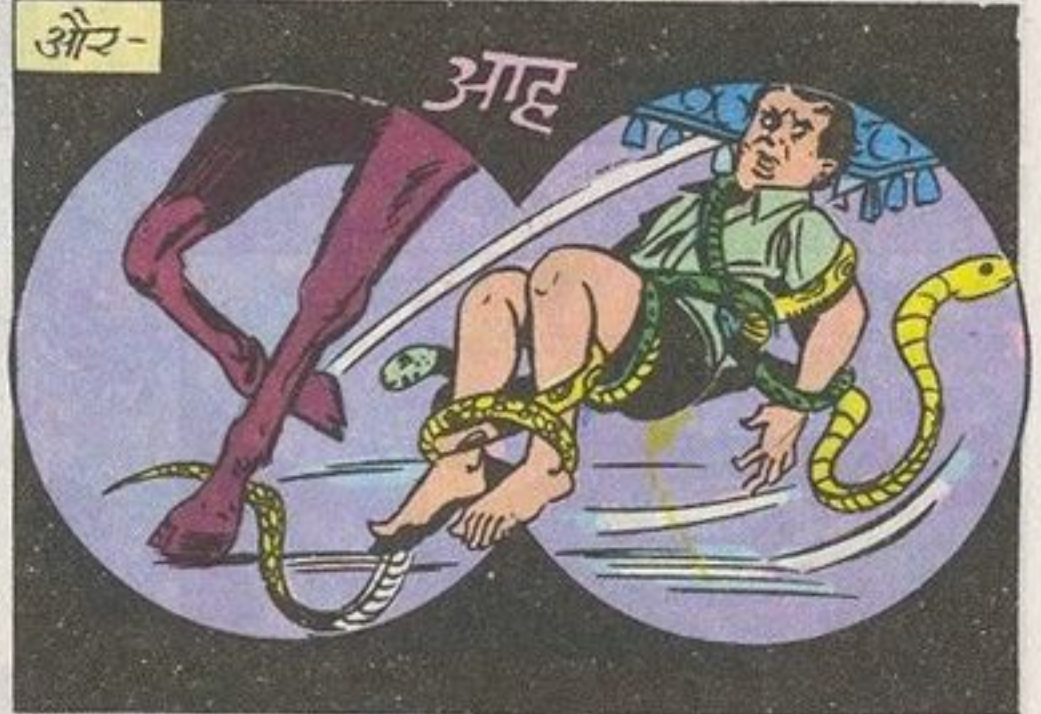
स्तब्ध दर्शकों की आंखें फट पड़ी थीं वह आश्चर्य देखकर-
मैंने कोई सपना देखा क्या?
कुछ सांप लहराए और बच्चे को ले उड़े।
??

खुद अजगर भी आश्चर्य के सागर में गोते लगा रहा था-
सांप! सांप देखे थे मैंने?
सांप मैंने तो नहीं देखे अजगर महान!
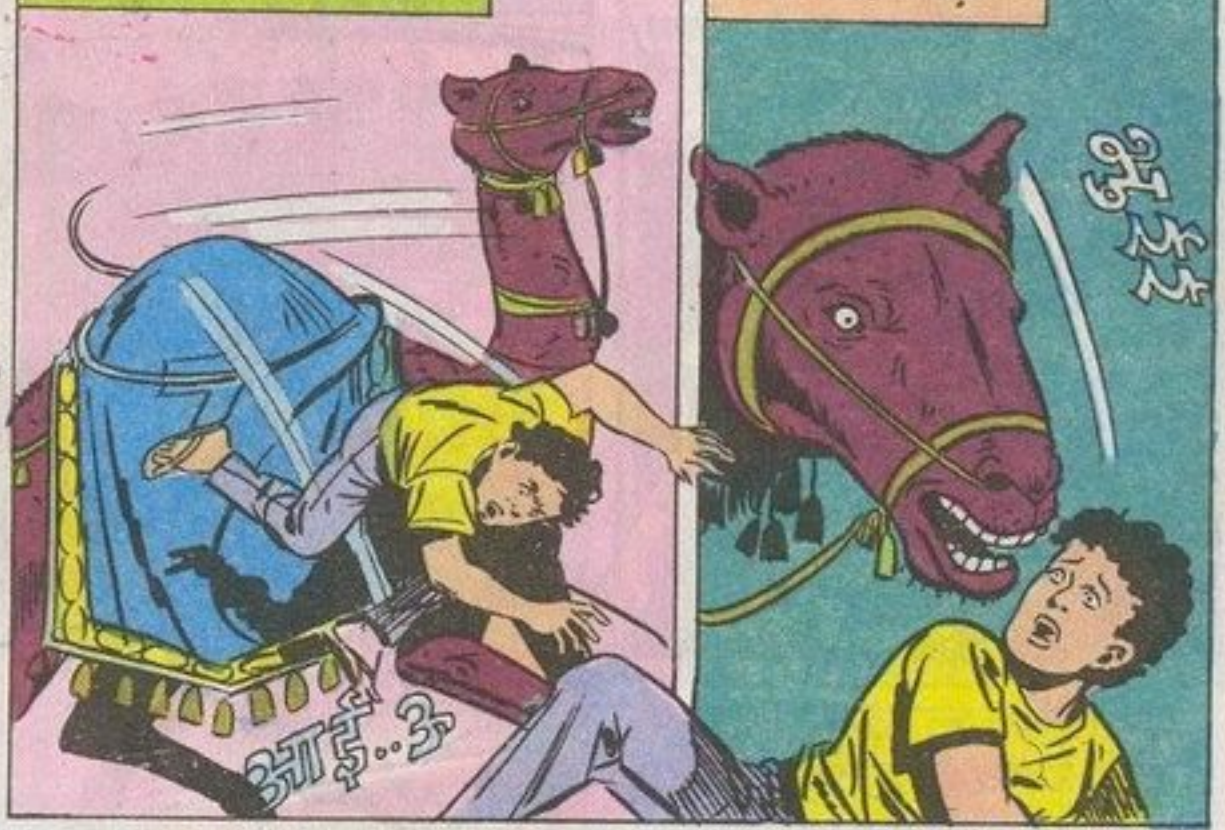
ऊंटदौड़ अपनी चरमसीमा पर थी-
बक-अप नम्बर थर्टीन बक-अप।
आह ऽऽऊ
दौड़
13
अचानक एक बच्चा फिर उछलकर गिरा ऊंट की गर्दन से-
आई..ऽ
क्रोधित ऊंट उसे काटने के लिए आगे बढ़ा-
ऊ ऊ ऽऽ
और कस गई सर्परस्सी उस पागल ऊंट के जबड़े पर-
हिस्स
फूं फूं
और अब उछल पड़ा अजगर यह दृश्य देखकर-
नहीं। इस बार यह मेरी नजरों का धोखा नहीं हो सकता। कई कैमल-रेस करा चुका हूं मैं इस मैदान पर। कई बच्चों को लाशों में बदलते देख चुका हूं...
7
ऐसा करिश्मा यहां पहली बार हो रहा है।
अजगर महान! मैंने सुना है कि नागराज से पहले आते हैं उसके सांप।
नागराज!

कैमल-रेस छोड़कर उठ खड़ा हुआ अजगर –
आओ कुरैला! चलो यहां से।
उधर नम्बर थर्टीन ने ही जीती वह ऊंट दौड़ –
मैं जीत गया
ऊंटों को 'कैमल ग्राउंड' में लाया गया –
ऊंटों पर बंधे बच्चों को खोल दो।
बिलोंकी दादा! इस बच्चे के हाथ की हड्डी टूट गई लगती है।
इसकी रीढ़ में टीस है शायद?
इसकी छाती से खून बह रहा है।
ओह!
इन्हें प्राथमिक उपचार देना जरूरी है। कल की रेस में भी इनकी जरूरत है। ले जाओ इन्हें।
और तभी आगे बढ़ते उन दरिन्दों को रुक जाना पड़ा –
ईईई सांप
सांप!
सांय

ये इतने सारे सांप कहां से आ गए? उफ!

नागराज से पहले ही पहुंचते हैं उसकी सर्प सेना के जांबाज।

बच्चों से दूर हट जाओ बेरहमो, वरना ये सांप तुमसे भी अधिक बेरहम साबित होंगे।

नागराज!

नागराज!

एक बार फिर आरम्भ हुई ऊंट दौड़-
हे ऽऽऽ
नहीं बचाओऽ आह !
बच्चो, बजाओ ताली।
एक-एक कर नागराज उन्हें स्वतन्त्र करता चला गया-
आह ! मैं गिरा बचाओऽऽ

आहऽ
ऊंट भी अपने दुश्मनों की खूब सजा दे रहे थे-
खच्च
आ हू

अब बारी थी बिलोंकी की-
बिलोंकी, कैमल-रेस की आड़ में खेला जाने वाला जुआ और अपहृत बच्चों के जरिए भारत से स्मगल किया गया 'स्वीट पॉयजन,' कौन है इन सबके पीछे ?

नागराज का संकेत पाकर सर्प बुरी तरह फुंकारा-
नहीं !
हिस्स.. फूं
इसका विष अगली सांस तुम्हारे गले में रोक देगा

मौत के भय से टूट गया बिलोंकी-
नागराज ! उसका नाम अजगर... आह !
इसे क्या हुआ ?

इसी पल उछलकर पीछे हट गया नागराज–

ओह ! यह क्या ?

न... नागराज... आ...ह ... ये अजगर का त... तूफान... है । अ... अब मैं नहीं बचूंगा । स... स्वीट-पॉयजन... च... चोक्रेट...!

आह !

उफ!

नागराज के देखते ही देखते बिलोंकी लाश में बदल गया।

बिलोंकी को गद्दारी की सजा देकर 'अजगर का तूफान' गायब हो गया।

स्कॉटलैंड में अब अजगर होगा मेरा अगला शिकार

तब नागराज के मस्तिष्क में गूंजा एक नाम –

सौडांगी ! हां, सौडांगी से अच्छा संरक्षक मुझे इस वक्त नहीं मिल सकता इन बच्चों के लिए।

अपने जिस्म में वास करती इच्छाधारी नागिन सौडांगी को पुकारा नागराज ने -

सौडांगी ! बाहर आओ। मुझे तुम्हारी मदद की आवश्यकता है।

नागराज के जिस्म से निकल कर सौडांगी मानव रूप में परिवर्तित हो गई ।

नागराज ! तुम तो भुला ही बैठे थे सौडांगी को ।

मैं तुम्हें कभी भूल नहीं सकता सौडांगी। अगर तुम मुझे न मिलतीं तो मैं जादू के शहंशाह तूतेन खामेन का खेल कभी खत्म न कर पाता।

सौडांगी और तूतेन-खामेन के विषय में जानने के लिए पढ़ें नागराज का एक अतिरोमांचक कॉमिक्स – 'नागराज और जादू का शहंशाह'

होटल से बाहर ही निकला था अभी नागराज कि -
पकड़ो मेरा पर्स!
??
नागराज से न बच सका वह जेब-कतरा -
इतनी छोटी उम्र में ये गन्दी आदत कैसे पड़ी तुम्हें?
मुझे वह पर्स दे दो मुझे चोक्रेट चाहिए।
नागराज के मस्तिष्क में धमक सी हुई यह नाम सुनकर -
चोक्रेट?
चोक्रेट न मिली तो पागल हो जाऊंगा मैं। प्लीज, मुझे वह पर्स दे दो।
कहां से मिलती है तुम्हें चोक्रेट? मुझे वहां ले चलो। मैं तुम्हें चोक्रेट दिलाऊंगा।
तुम... तुम दिलवाओगे मुझे चोक्रेट?
अचानक लड़के पर पागलपन सवार हो गया -
नहीं-नहीं। मैं चोक्रेट नहीं पीना चाहता। मुझे चोक्रेट से बचा लो। मुझे चोक्रेट से बचा लो। आह!
??
मेरा पर्स
नागराज ने पर्स के मालिक को उसका पर्स लौटाया।
ये चोक्रेट तो दीमक बनकर चाट जायेगा विश्व के बच्चों को।
??
ये चोक्रेट है क्या चीज?

धीमा जहर, जो बच्चों के लिए बनाए गए एक खास सिगरेट द्वारा हमारी युवा होती पीढ़ी के खून में घुलकर उसे जर्जर कर रहा है।
बच्चों के लिए सिगरेट!
नागराज ने लड़के से पूछा–
देखो, क्या तुम सचमुच चॉकलेट छोड़ना चाहते हो?
हां। चॉकलेट की दीवानगी ने ही मुझे चोरी जैसा घृणित कार्य करने पर मजबूर किया। क्या तुम मुझे चॉकलेट से निजात दिलाओगे?
नागराज उसे लेकर चल पड़ा अजगर की तलाश में–
मरते समय बिलोफी की जुबान पर भी यही नाम था। अब समझा कि स्वीट-पॉयजन का कहां इस्तेमाल करता है अजगर। चॉकलेट बनाने में काम आती है वो उसके।
टैक्सी!
लड़के ने नागराज को अपना नाम ब्रूनो बताया।
किड क्लब–
KIDCLUB
ऐ! ठहरो! किड क्लब में वयस्कों का प्रवेश वर्जित है।
??
जुर्म की दुनिया में नागराज का प्रवेश आवश्यक है। वर्जित नहीं! समझे...
आह!
नागराज ने अपना ओवरकोट उतारकर बेल्ट के स्थान पर बांध लिया–
तुम... तुम तो नागराज हो न?
आओ!
ब्रूनो नागराज को अपने साथ देखकर बुरी तरह रोमांचित हो उठा।

किड क्लब में प्रवेश कर गया नागराज–

??

CHOKORATE SMOKING IS GOOD TO HEALTH.

सचमुच चोकेट ने दीवाना बना रखा है इन सबको।

नागराज, उस काउंटर से मिलती है हमें... चोकेट

बुनो तुम? कौन है ये तुम्हारे साथ? अरे रे!

ये नागराज है। अब ये किड-क्लब नहीं रहेगा, बास्टर्ड!

टॉम! चोकेट कहां से प्राप्त होता है तुम्हें?

न... नागराज! बिलोकी यहां चोकेट की सप्लाई करता है। य... ये क्लब भी उसीका है नागराज!

और चोकेट का अगला स्टाक लेकर वह आने वाला ही होगा।

बिलोकी की मौत के बाद कौन लायेगा अगला स्टाक?

हम लाए हैं नागराज! चोकेट का नया स्टाक।

ओह!
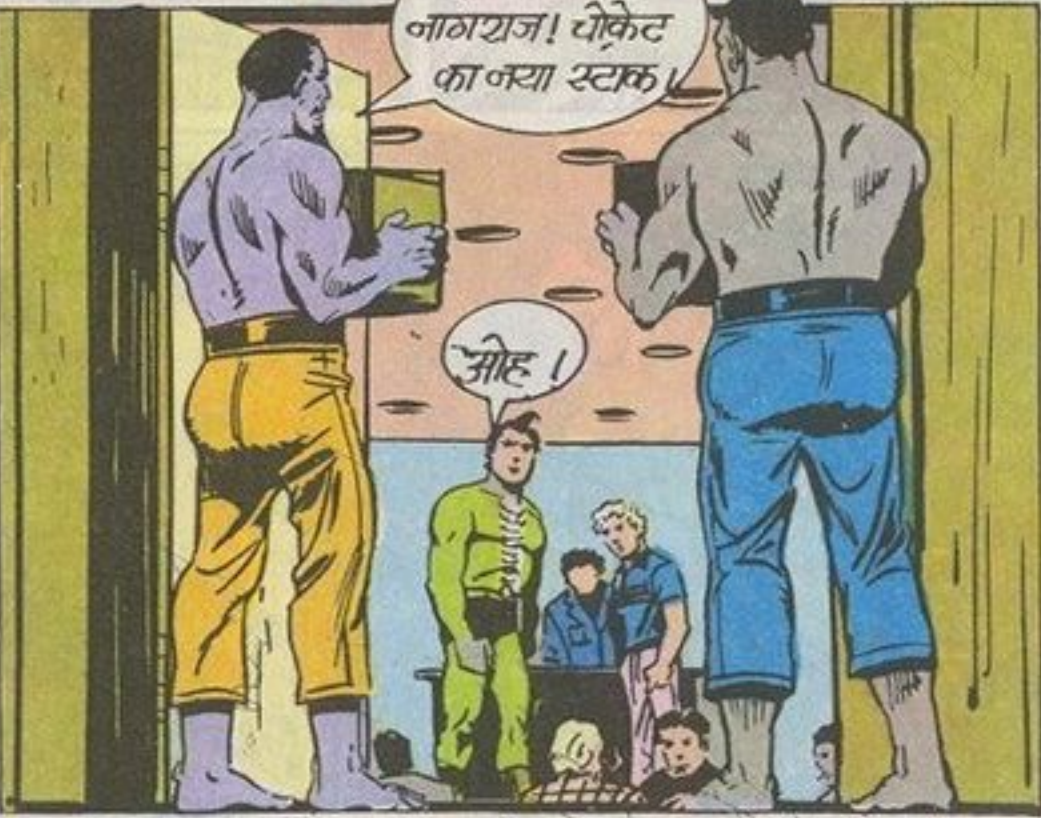
चोक्रेट का नया स्टाक काउंटर पर रखने के साथ ही—
भूकर और भूथर मिलकर अपने दुश्मन के जिस्म पर गांठ बांध देते हैं।
SWOOSH
नागराज को मिट्टी के खिलौने की तरह उछाल दिया उन्होंने—
नागराज आकर गिरा क्लब की मेज-कुर्सियों पर—
ओफ्
उस हंगामे से बच्चों में अफरा-तफरी मच गई—
भागो!
निकलो। क्लब से। यहां दंगा हो रहा है।
भूकर मुंह से खूनी गुर्राहट निकालता हुआ हवा में उछला—
य्यांऽ
जम्प तो कंगारू की तरह लगा रहा है।
लेकिन तब तक नागराज भी हो चुका था तैयार।
कंगारू-स्टाइल से लड़ेगा।
दोनों हवा में ही टकरा गए।
आह
ठाक

लूकर और लूथर कंगारू स्टाइल के महारथी -
ओह! दोनों एक साथ आ रहे हैं।
आह
नागराज! जूडो-कराटे और कुंगफू के प्रत्येक स्टाइल का महारथी -
फिर न उठने दिया नागराज ने उन्हें -
तड़ाक
नागराज ने दोनों के शरीर में गांठ बांध दी -
कैसा लग रहा है ये गठबंधन लूकर, लूथर?
वाह! नागराज! ये तो तुम्हारे जिस्म पर गांठ बांधने चले थे।
नागराज वापस काउंटर पर पहुंचा -
नागराज! इन डिब्बों में काम तक का पूरा स्टाक है चोकेट का
इस स्टाक को अपने हाथों से हॉम जलायेगा।
मगर यह क्या? चोकेट के स्थान पर ये क्या निकला उस डिब्बे से -
उफ! अजगर का तूफान!

टॉम और ब्रूनो की आंखें भी भय से फैल गईं
यह क्या?
आह, नागराज बचाओ।

नागराज ने अजगर के तूफान को मसलना आरम्भ किया
बेहद जहरीले हैं ये।
पिस्स

ब्रूनो मौत से कुछ ही पल दूर था-
आह! नागराज!
ब्रूनो!

ब्रूनो के चेहरे की तरफ बढ़ते उस तूफान पर झपटा एक खूबसूरत सा हाथ-
आह
घबराओ नहीं ब्रूनो! मुझसे अधिक जहर नहीं भरा इसके अन्दर।

नागराज भी चौंक पड़ा वह दृश्य देख कर-
सौडांगी!
हां, नागराज!

ये सभी बच्चे तुम्हारे साथ ही रहने की जिद कर रहे थे। तुम्हारी फाइटिंग देखना चाहते थे ये सभी

तभी नागराज घिर गया अजगर के तूफान से-
आह

इसी पल—
नागराज! ये फायर एक्सटिंग्विशर आग बुझाने में तो नहीं, इन गन्दे जानवरों को भगाने के काम जरूर आयेगा।
उस बच्चे की तरकीब काम कर गई—
शाबाश, नन्हें दोस्त!
थैंक्यू नागराज!
ठीक इसी पल—
हा हा हा। नागराज! बच्चों से बहुत प्यार है न तुझे। विश्व के बच्चों को ही बचाने आया है तू यहां। देख गुरैला इन सबके साथ ही तेरा क्या हश्र करता है।
नागराज!
गुरैला के नाखून मशीन की तेजी से उधेड़ देते हैं अपने दुश्मन की खाल को
कचर कचर
आह
सौदांगी व उपस्थित प्रत्येक नन्हीं आंख थर्रा उठी वह खौफनाक दृश्य देखकर—
उफ! ये तो पूरा हैवान है।
खून खौल उठा नागराज का।
गुरैला दरिन्दे!

गुरिला ! बच्चों में आतंक मचा दिया उसने –
हा हा हा ! तुम सबकी चमड़ी उधेड़ डालूंगा ।
आन्टी ... आह
सौडांगी क्रोध से पागल हो उठी –
दरिन्दे ! हाथ मत लगा इन मासूमों को ।
आन्टी ! आह !
गुरैला के नाखून सौडांगी का चेहरा आलू के छिलके की तरह छील डालना चाहते थे । मगर नागराज के होते यह सम्भव न था ।
नागराज !
तेरे नाखून ही तोड़ डालूंगा गुरैला ।
नागराज ने गुरैला का नाखून पकड़ कर उखाड़ लिया –
आह्
एक ने की शरारत –
आह्
नागराज की खाल उधेड़ेगा ।
दूसरा भी कम न था ।
उक
भुर्र्र्र
अंकल गुरैला, आपके दिमाग की गर्मी को ये ठंडक देगा ।
गुरैला ! जिसका चेहरा आज तक सिवाय गुरैला के और किसी ने नहीं देखा था, आज सबके सामने बेनकाब हो गया ।
नागराज ! मैं तुम सबको मार डालूंगा ।
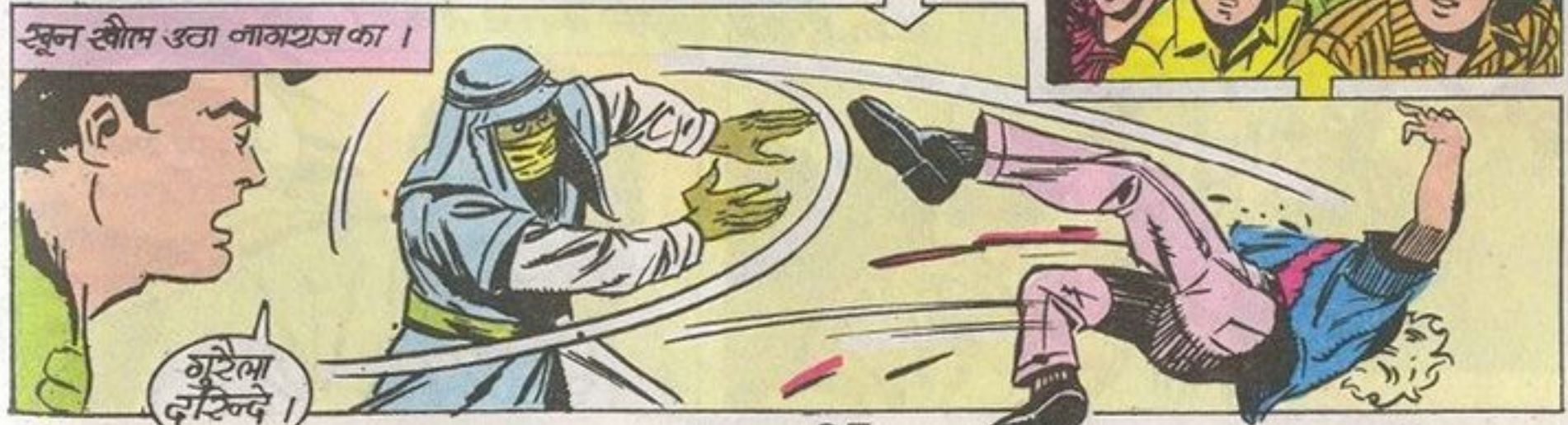
गुरैला नागराज पर झपटा, लेकिन तभी –

नागराज, ये मेरा शिकार है।

नहीं, सौडांगी! इसे मारना मत।

सौडांगी लिपट गई उसकी गर्दन से –

मैं इसे इतनी जल्दी नहीं मारूंगी नागराज। इसकी गर्दन से तब तक लिपटी रहूंगी, जब तक इसके जिस्म में बहते खून की एक-एक बूंद बाहर नहीं आ जाएगी।

सौडांगी की उस मार से तड़प उठा गुरैला –

ये तो इच्छाधारी नागिन है, उफ।

नागराज! मुझे बचा लो इस नागिन से। मैं तुम्हें अजगर का पता दे सकता हूं।

सौडांगी। छोड़ दो इसे।

हिस्स्

यह खबर सचमुच चौंकाने वाली थी अजगर के लिए –

क्या कहा गुरैला? नागराज ने मार डाला हमारे सभी साथियों को?

हां अजगर, और अब नम्बर है तुम्हारा।

क्या बकते हो गुरैला?

तभी सौडांगी आकर लिपट गई गुरैला से।
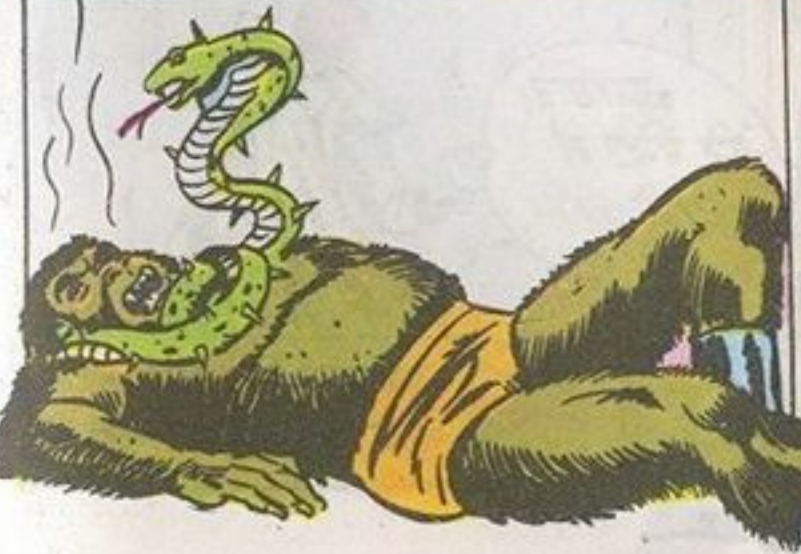
शायद मुझे देख कर यकीन आ जाए अजगर।

नागराज!

एक पल भी व्यर्थ नहीं किया अजगर ने-
चीं चीं
नागराज! अजगर से पहले तुझे टकराना होगा अजगर के भयानक तूफान से
नागराज भी तैयार था उस तूफान से टकराने के लिए
बाहर निकलो मेरे जांबाज सिपाहियो
नागराज की सर्प सेना अपने शत्रु को तड़पने का भी मौका नहीं देती-
हिस्स
कड़ाक
क्वैक
नागराज का एक वार भी नहीं सह सकी वह उड़ती मौत।
अजगर के तूफान का डट कर मुकाबला कर रहे थे नागराज के सर्प-
शीघ्र ही
क्यों अजगर! कोई और तूफान है तो भेज उसे भी।
हिस्स
इसे बॉयलिंग मड की ओर ले जाता हूं।
नागराज! तेरे लिए मैं खुद ही काफी हूं।
नागराज के पांवों के नीचे से जमीन सरक गई

नागराज सम्भल नहीं सका और लुढ़कता चला गया नीचे –
हा हा हा। नागराज! नीचे BOILING MUD है। यानी रेत के नीचे खौलता हुआ लावा।
मौत थी नागराज से केवल कुछ ही दूर –
उफ! शैतान ने कैसी चाल चली है।
नागरस्सी से लटक गया नागराज।
BOILING MUD एक तरह का ज्वालामुखी ही होता है। जहां रेत के नीचे लावा खौलता रहता है। बाल-बाल बचा हूं।
उधर अजगर अपनी सफलता पर बेहद प्रसन्न था।
किसे पता था कि नागराज को मारने का श्रेय मिलेगा मुझे।
नागराज की मौत का सपना देखने वाले उस शैतान को नागराज के रूप में दिखाई पड़ी अपनी मौत।
नागराज! त... तुम जिन्दा कैसे बच गए?
BOILING MUD मेरा नहीं तेरा इंतजार कर रहा है अजगर!
और तभी –
हिस्स्स
यह क्या है सांप?
नागराज ने नागरस्सी को दिया एक तीव्र झटका और –
आह! नहीं!
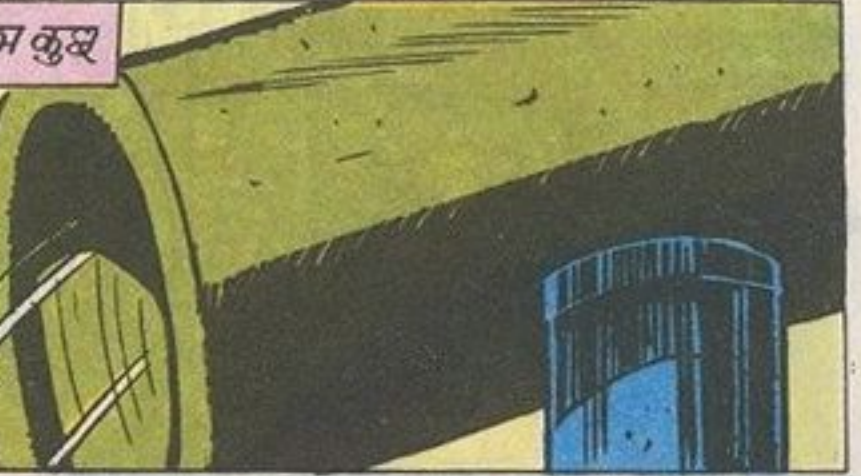
फिसलता चलागया अजगर बॉयलिंग मड की ओर जाती उस फिसलन पर -
नहीं। बचाओ नागराज! मुझे बचाओ।
आ.. ह
बॉयलिंग मड में समागया अजगर।
ईऽऽऽ
भट भट
नागराज ने भी सुनी उसकी चीखें -
BOILING MUD में हड्डियां तक गल जायेंगी शैतान अजगर की।
नागराज बाहर निकला -
सौडांगी! ये मर चुका है। अब तो छोड़ दो इसे।
मैं जानती थी नागराज, कि अजगर को समाप्त कर तुम जल्दी ही बाहर आओगे।
सौडांगी मानव रूप में परिवर्तित हो गई -
नागराज, सभी बच्चे होटल में तुम्हारा इंतजार कर रहे होंगे। उन्हें उनके मां-बाप तक पहुंचाना है तुम्हें।
हां, यहां का बाकी काम तो अब स्कॉटलैण्ड की पुलिस सम्भाल लेगी।
फिर होटल पहुंचने से पूर्व ही सौडांगी पुनः नागराज के जिस्म में समागई।
अच्छा नागराज! फिर बुलाना।
और एक रात उन बच्चों के साथ विदा ली नागराज ने स्कॉटलैण्ड से -
सिगरेट के उत्पादन पर तो रोक नहीं लगा सकता मैं। लेकिन विश्व की जनता से अपील करूंगा, इस बुराई से दूर रहने की।
SAY NO TO SMOKING

(समाप्त)